NEW ERA PUBLIC SCHOOL RAJBAGH
SOLVED ASSIGNMENT OF TERM-Ist
CLASS: 6th SESSION 2021
SUBJECT: HINDI Pg no 1.

पाठ- 7
मेरी अंतिम अभिलाषा।

शब्द ज्ञान
भस्म - राख , सुरक्षित - संभालकर , विसर्जित - बहाना, दृष्टि - नजर , स्नेह - प्यार , अल्पांश - थोड़ा सा , अनगिनत - जो गिना न जा सके , विस्तार - फैलाव, श्रद्धांजलि - सम्मान प्रकट करना , निधि - खज़ाना, विपत्तियों - समस्याओं , अनिवार्य - आवश्यक , परंपराओं - रिवाजों , अनादिकाल - पुराने समय से , तुषार - मंडित = बर्फ से ढकी , विस्तृत - बड़े , उर्वर - उपजाऊ , प्रभात - सवेरा ।

मौखिक : (उत्तर)
1. वसीयतनामा में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने देश के लोगों के स्नेह ममत्व के बारे में लिखा है।

2. यह वसीयतनामा पं. जवाहरलाल नेहरू ने अपनी इंदिरा नाम लिखा है ।

3. नेहरू जी ने एक मुट्ठी भस्म को प्रयाग भेजने के लिए इसलिए कहा कि मुट्ठी भर भस्म इलाहाबाद के पास गंगा में प्रवाहित कर दी जाए जिससे वह उस महासागर तक पहुँच जाए।

4. भस्म के बाकी हिस्से को विमान द्वारा ऊपर से खेतों में बिखेर दिया जाए जहाँ भारत के किसान कड़ी मेहनत करते हैं।

लिखित :(उत्तर)

1. भारतवासियों से प्राप्त प्रेम और स्नेह के विषय में नेहरू जी के यह विचार थे। "भारतीय जनता से मुझे इतना प्रेम और स्नेह मिला है कि मैं चाहे जो कुछ भी करूँ उसके अल्पांश का भी बदला नहीं चुका सकता और सच तो यह है कि प्रेम जैसी अमूल्य वस्तु का बदला चुकाया भी नहीं जा सकता।" मैं केवल यह कर सकता हूँ कि जितने दिन मैं और जीवित रहूँ, अपने देशवासियों के प्यार के योग्य बना रहूँ।

2. नेहरू जी ने भस्म के विसर्जन के विषय में यह कहा, "मेरी इच्छा है कि मरने के बाद मेरा दाह-संस्कार कर दिया जाए। यदि मैं विदेश में मरूँ तो दाह-कर्म वहीं कर दिया जाए और मेरी भस्म प्रयाग भेज दी जाए और उसकी एक मुट्ठी गंगा में प्रवाहित कर दी जाए। भस्म का कुछ भी भाग न तो बचाया जाए, न सुरक्षित रखा जाए।"

3. बचपन से ही इलाहाबाद की गंगा और यमुना नदियों से मेरा ममत्व रहा है और ज्यों-ज्यों मैं बड़ा होता गया हूँ, मेरा ममत्व बढ़ता ही गया है।" मैं उस इतिहास तथा उन पुराणों से संबंधित, रीवाजों, गीतों और लोक-कहानियाँ याद आती है जो पुराने समय से उससे जुड़ी है और उसकी बहाव का अंग बन गई है।

4. नेहरू जी ने भारत को पुरानी परंपराओं और उन बंधनों से आज़ाद करना चाहते है जो उसे जकड़े हुए है और आगे बढ़ने नहीं देते, जो लोगों में फूट डालते और अधिकांश को दबाए रखते है।

5. नेहरू जी की अंतिम अभिलाषा यह थी कि मैं भी औरों की तरह उस अटूट शृंखला की एक अटूट कड़ी हूँ जो स्मृति के सहारे भारत के अतीत में इतिहास के उषाकाल तक चली जाती है। उस शृंखला को मैं कभी भी तोड़ना नहीं चाहूँगा क्योंकि मैं उसे बहुत बड़ी निधि मानता हूँ और उससे प्रेरणा ग्रहण करता हूँ।

2. रिक्त स्थान भरिए :-(उत्तर
1. जीवित 2. इलाहाबाद, यमुना
3. संस्कृति, प्रतीक 4. उत्तराधिकार 5. प्रेरणा

3. विलोम शब्द लिखिए : (उत्तर)
क, नफरत ख, मरण ग, असफलता ड., विदेश
च, असुरक्षित छ, खुश

4. बहुवचन शब्द लिखिए : (उत्तर)

क, कंधें ख, गाथाओं ग, परंपराओं
घ, कथाओं ड., नदियों च, आकांक्षाओं
छ, सभ्यताएँ ज, संस्कृतियाँ झ, स्मृतियों

5.(ँ)(ं) वाले शब्द लिखिए :
कारण, मरण, मैं, में, कंधा, हूँ, गंगा,
नहीं, चाँद, कंधा, स्मृतियाँ, गाँव, आँसू, आँखों,
परंतु, नहीं, अंत.

पाठ - 8
भामाशाह का त्याग

शब्द - ज्ञान (Already done on Book)

मौखिक (उत्तर).

उत्तर : 1 - भामाशाह ~~भीलों के सरदार~~ महाराणा प्रताप के मंत्री थे।
उत्तर - 2 : यह एकांकी हमें संकट - काल में राष्ट्र के लिए सर्वस्व कुर्बान करने की संदेश देती है।

लिखित : (उत्तर).

1. महाराणा प्रताप जन्मभूमि छोड़कर ~~अ~~ शत्रुओं के हाथ में छोड़कर अज्ञातवास में जंगल की तरफ जा रहे थे।

2. महाराणा प्रताप से भामाशाह ने यह कहा कि आप घोड़े की बाग को मेवाड़ की ओर मोड़ दीजिए। मेरे पास जो छत्तीस लाख रुपए की संपत्ति है उसी से एक बार सेना एकत्रित कीजिए और एक बार फिर मेवाड़ को स्वतंत्र कराने का उद्यम कीजिए। अगर इसमें सफल हुए तो भी ठीक है वरना जहाँ सेनानायक वहीं सैनिक।

3. कविराज ने भामाशाह की यह कहकर प्रशंसा की, "धन्य हो मंत्रिवर, धन्य हो भामाशाह, जिस धन्य के लिए लोग बावले हुए घूमते हैं, जिस धन के लिए अपना धर्म बेच देते हैं, उसे तुमने देशहित के लिए न्योछावर कर दिया। तुम धन्य हो! जब तक सूर्य - चंद्र रहेंगे, तब तक इतिहास में तुम्हारा यश रहेगा।"

Scanned with CamScanner

शब्द - ज्ञान

धर्मावतार - धर्म का अवतार, कलंकित - जिसे कलंक लगा हो
मोह - माया - ममता, सजल - आँसुओं से भरे, अधैर्य - अधीरता, स्वर्गोपम - स्वर्ग के समान, निज - अपना, असमर्थ - शक्तिहीन, प्राणोपम - प्राणों के समान, मरुभूमि - रेगिस्तान, कालयापन करना - समय को बिताना, कृतकार्य - सफ़ल, सीमाप्रांत - सरहद, विपत्ति - संकट, जननी जन्मभूमिश्च गरीयसी - माता तथा जन्मभूमि स्वर्ण से भी बढ़कर सुखदाई होती है, अज्ञातवास - छिपकर रहना।

— o —

पाठ - ९
फूल वालों की सैर

शब्द ज्ञान

चित्ताकर्षक - मन को लुभाने वाले, परस्पर - आपस में, प्रतिबंध - रुकावट, उल्लास - हँसी - खुशी, संग्राम - लड़ाई।

मौखिक : (उत्तर)

1. फूल से हम अपने घरों को सजाते हैं और मेहमानों का स्वागत करते हैं।

2. फूलवालों की सैर मेले का प्रारंभ सन् 1812 में हुआ था।

लिखित : (उत्तर)

1. फूल अपने रूप और गुण से सभी को लुभाते हैं। उनका रूप जितना चित्ताकर्षक होता है, सुगंध उतनी ही मोहक। फूलों से हम अपने देवी-देवताओं की पूजा करते हैं, अपने मेहमानों का स्वागत करते हैं। पर्व-त्योहारों के समय हम अपने घरों को फूलों से सजाते हैं। फूल परस्पर आदर, मैत्री और सौजन्य की भावना दर्शाते हैं।

2. फूल वालों सैर अकबर शाह सानी के समय में सन् 1812 में मुगल काल से ही दिल्ली में मनाया जाता है।

3. मिर्ज़ा जहाँगीर ने सीटन पर इसलिए गोली चलाई

क्योंकि अकबर शाह अपने बड़े बेटे सिराजुद्दीन जफ़र की जगह अपने मझले बेटे मिर्ज़ा जहाँगीर को सिंहासन पर बैठाना चाहते थे क्योंकि उनकी बेगम मुमताज की यही इच्छा थी। यह बात ब्रिटिश रेजिडेंट ए. सीटन को नहीं जँची।

4. योगमाया का मंदिर महाभारत के युद्ध के बाद महाराजा युधिष्ठिर ने ~~योगमाया~~ बनवाया था। पहले दिन योगमाया मंदिर में फूल चढ़ाए जाते और अगले दिन ख्वाज़ा बख्तियार काकी की दरगाह पर फूलों की चादर चढ़ाई जाती।

5. मुगल सल्तनत की आखिरी फूल वालों की सैर मिर्ज़ा जहाँगीर के रिहा होने पर की। इस अवसर पर खूब खुशियाँ मनाई गई। इलाहाबाद से दिल्ली तक के पूरे रास्ते में जगह-जगह दावतें और आतिशबाजियाँ हुई। मिर्ज़ा जहाँगीर शान से दिल्ली वापस लौटे। इस खुशी में बेगम मुमताज ने ख्वाज़ा बख्तियार काकी की मज़ार पर फूलों की चादर चढ़ाने की तैयारी शुरू की।

6. फूलों वालों की सैर पर अंग्रेजों ने सन् 1857 में प्रतिबंध लगाया था।

2. सही पर (✓) और गलत पर (x) के निशान लगाइए:
(उत्तर)

1. (✓) 2. (x) 3. (✓)
4. (✓) 5. (x)

Scanned with CamScanner

पाठ - 10.
ठुकरा दो या प्यार करो

शब्द - ज्ञान

देव - देवता, उपासक - पूजा करने वाला, नैवेद्य - प्रसाद, बहुमूल्य - बहुत कीमती, निछावर - समर्पण, श्रृंगार - सजावट, माधुर्य - मिठास, चातुर्य - चतुराई, उन्मत्त - पागल, अर्पित - दे देना ।

मौखिक : (उत्तर)

1. ईश्वर अपने प्रति समर्पण की भावना से प्रसन्न होते है ।
2. कवयित्री पूजा के लिए कुछ नहीं लाई थी।

[illegible] : (उत्तर)

1. हम ईश्वर की उपासना श्रद्धा एवं समर्पण की दशा से करते है।
2. लोग ईश्वर की उपासना बहुमूल्य भेंट, चढ़ावे अथवा पूजा-सामग्री से करते है।
3. पुजारिन के पास धूप-दीप, गले में पहनाने के लिए फूलों का हार, न ही दान-दक्षिणा " नहीं है ।
5. पुजारिन ईश्वर को अपना हृदय स्वीकार करने को कह रही है।

3. निम्नलिखित पंक्तियों के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर :-

Scanned with CamScanner

क) 1. कवयित्री प्रेम की प्यासी है।.
2. कवयित्री हृदय के सिवा कुछ भी नहीं है।
3. उन्मत का अर्थ "पागल" है। :
∴ वाक्य :- मैं ईश्वर की प्रेम में पागल हूँ।
4. प्रेम का बिरित शब्द नफरत है।.

ख, कवयित्री चरणों पर अपना हृदय अर्पित कर रही है।
2. ईश्वर के प्रति समर्पण प्रार्थना की जा रही है।
3. 'स्वीकार' का बिपरीत शब्द 'अस्वीकार' है।
4. प्यार का पर्यायवाची - चाह, लगाव, स्नेह, प्रीति है।

4. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ बताइए तथा वाक्यों में प्रयोग कीजिए :
क, बहुमूल्य :- बहुत कीमती :- मुक्तामणि बहुत ही कीमती है।
ख, साहस :- हिम्मत :- मुझमें मैं बहुत साहस है।
ग, माधुर्य :- मिठास :- उसके गले में बहुत मिठास है।
घ, न्योछावर :- समर्पण :- मीरा ने खुद को भगवान की भक्ति में न्योछावर किया।
ङ, प्रेम :- प्यार :- मुझे ईश्वर से प्रेम है।

—o—

Scanned with CamScanner

(हिन्दी व्याकरण)

निबंध :

विज्ञान वरदान या अभिशाप (Unit II)

प्रदूषण

पत्र :

पुस्तके मँगवाने के लिए पुस्तक विक्रेता को पत्र लिखें। (Unit II)

प्रधानाचार्य को छात्रवृत्ति के लिए प्रार्थना पत्र लिखें।

विलोम शब्द (1-30)

पर्यायवाची शब्द (1-45)

अनेकार्थक शब्द (1-25)

अनेक शब्दों के लिए (1-45)
एक शब्द लिखें

मुहावरे (1-25)

समास, उपसर्ग, प्रत्यय

Scanned with CamScanner